जनसुनवाई में पहुंचे मृतक मजदूरों के परिजन

मुख्य दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही एवं मुआवजा की मांग की

नवभारत न्यूज

पन्ना 16 जून। आज कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर गत 26 मई को पन्ना जिले के अजयगढ़ तहसील में कुंआ धसकनें से पांच मजदूरों की मौत हो गई थी उनके परिजन कलेक्टर की जनसुनवाई में अपनी व्यथा कलेक्टर को सुनाते हुये मांग की है।

अभी तक असली दोषी अधिकारी सीईओ, जनपद पंचायत सतीष नागवंशी, उपयंत्री आशीष विश्वकर्मा, पंचायत सचिव, जीआरएस सहित एसडीओ जनपद पंचायत अजयगढ़ को उक्त हादसे के लिये जिम्मेदार है लेकिन आज तक उनके विरूद्ध एफ्आईआर दर्ज नही की गई और न ही कोई कार्यवाही हुई। उन्होंने उपरोक्त सभी जिम्मेदार अधिकारियों के विरूद्ध कडी कार्यवाही कर एफ्आईआर की मांग की है। मृतक पांच मजदूरों के परिजनों द्वारा दिये गये पत्र में उल्लेख किया है कि दिनांक 26 मई मंगलवार, सुबह 10.00 बजे स्थान नयापुरवा ग्राम पंचायत बीहरपुरवा जनपद पंचायत अजयगढ़ जिला पन्ना में मनरेगा के अन्तर्गत निर्मल नीर कूप के भिसकने से कुएँ के अन्दर खुदाई कर रहे पाँच मजदूरों की मिट्टी में दबकर मौत हुई थी। वर्तमान में पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है, बी0एन0एस0 की धारा 105 3(5) के तहत तथा सरपंच पति संतोष पटेल गिरफ्तार हो चुके है एवं अन्य सह आरोपी सरपंच श्रीमती सरोज पटेल, ठेकेदार रामबाबू पटेल को गिरफ़्तार कराया जाय।

मामले के प्रमुख तथ्य - निर्मल नीर कूप निजी भूमि पर स्वीकृत था (ग्राम पंचायत नियमों के विपरीत) निर्माणाधीन कूप 2025 में पहले भिसक गया था यह रिकार्ड में एक साल से काम ठप्प रहा। 02 मई 2025 तक मजदूरी मद में निर्धारित 2,26,000 में से 1,98,264 व्यय दिखाया गया जबकि खुदाई ही पूरी नहीं हुई यानि रिकार्ड में फर्जी काम दिखाया गया।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला फरार आरोपी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

पन्ना 16 जून। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में जिले में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं फरार आरोपियों की सतत धरपकड़ हेतु किए जा रहे प्रयासों के क्रम में थाना देवेंद्रनगर पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।

थाना देवेंद्रनगर में दिनांक 04 जून को एक पीड़िता द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि सुकदेव उर्फ गुल्लू कुशवाहा पिता गल्लू कुशवाहा, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम बंडी, थाना सिंहपुर, जिला सतना ने उससे विवाह का झांसा देकर शारीरिक संबंध स्थापित किए तथा बाद में विवाह करने से इंकार कर दिया। पीड़िता की रिपोर्ट पर थाना देवेंद्रनगर में अपराध धारा 69 बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

थाना प्रभारी देवेंद्रनगर संतोष यादव के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम कंचनपुर, जिला सतना में घेराबंदी कर आरोपी सुकदेव उर्फगुल्लू कुशवाहा को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई पूर्ण कर उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

इस वर्ष मझगांय बांध में पानी भरना लगभग तय

नवभारत न्यूज

पन्ना 16 जून। अजयगढ क्षेत्र का सबसे बड़ा वाध मझगांय मध्यम सिंचाई परियोजना में इस वर्ष जल भराव क्षेत्र के लिए प्रशासन ने आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली है।

इस बांध के भराव क्षेत्र में बालूपुर गांव एवं बनहरीकला गांव के कुछ मजरों जिसमें टपरियन सर्रा करिया माटी एवं कुंवरपुर का क्षेत्र भराव क्षेत्र में आता है जिसमें इस वर्ष वर्षा काल शुरू होते ही बांध में पहले चरण का पानी रोका जाएगा जिससे वाध कैचमेंट एरिया में पानी भर सके। पन्ना कलेक्टर ऊषा परमार के द्वारा अधीनस्थ हमले को निर्देशित किया गया कि मझगांय बांध क्षेत्र के भराव एरिया में प्रशासन द्वारा जो गांव खाली करवाए गए हैं उनमें पूरी तरह से खाली हुए या उनमें अभी भी लोग निवासरत हैं या पशुओं को निवास करा रहे हैं जिसके लिए एसडीएम आलोक मार्को तहसीलदार सुरेंद्र कुमार नायव तहसीलदार धनीराम अहिरवार राजस्व अमले के साथ प्रभावित जल भराव गांव का भ्रमण कर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि लोगों ने घर खाली करके कुछ मकान गिरा भी दिए गए हैं एवं लोग भराव क्षेत्र से लगभग खाली कर चुके हैं मकान और अन्य जगहों पर निवास कर रहे हैं राजस्व अमला क्षेत्र का भ्रमण कर रहा है। मझगांय वाध क्षेत्र का सबसे बड़ा बांध है जो लगभग 693 करोड रुपए की लागत से तैयार हो रहा है बांध के कुल भराव क्षमता 112 मि घ मी पानी बांध के कैचमेंट एरिया में 13 मि घ मी पानी कैचमेंट से जो वडानाला से तथा 92 मि घ मी पानी केन नदी से लगभग 6 किलोमीटर एप्रोच चैनल निर्माण का निर्माण करके बांध में जल भराव किया जाएगा योजना में प्रेशर पाइप नहर प्रणाली से अजयगढ़ के 39 गांव 130060 हेक्टेयर सिंचाई एवं कुल इस वाध से 805 गांव में पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल घर-घर उपलब्ध कराया जाएगा इस योजना के तहत अजयगढ़ तहसील के 118 गांव के 36 274 परिवार जनसंख्या 181370 लाख लोग इस योजना से लाभान्वित होंगे जिसका कार्य जोरों पर चल रहा है।

सादे पान मसाले से भी होता है कैंसर

नवभारत न्यूज

पन्ना 16 जून। निकोटिन एवं मैग्नीशियम कार्बोनेट युक्त गुटखा पान मसाला खाने वाले कैंसर और अन्य मर्जो की चपेट में तो आ रही है साथ ही सादा पान मसाला खाने वाले भी कैंसर और अन्य मर्जो की चपेट में आ रहे हैं।

विकल्प के रूप में सादा पान मसाला खाने वाले किसी किस्म के भ्रम में न जिएं विशेषज्ञ कहते हैं, कि यह भी जानलेवा बनकर जिंदगी का जायका ही बिगाड़ रहा है। इसे बनाने में भी जिस प्रकार के रसायन और खतरनाक विधि का इस्तेमाल किया जाता है, उससे यह पूरा तैयार होकर जहर की पुड़िया का रूप ले लेता है। सादा गुटखा

पाउच खाने वालों को भी कैंसर, नपुंसकता, एलर्जी, गाल के त्वचा का रंग बदलना, गले का संक्रामण और अन्य किस्म की जानलेवा बीमारियां हो रहीं है। तम्बाकू को छोड़कर साधारण गुटखा पाउच को बेहतर विकल्प मानने वाले एडिक्शन का शिकार होकर इसको ज्यादा खाते हैं। अनेक मामलों में इनका नतीजा यह निकलता है कि इसका आदी हो चुका व्यक्ति बाद में जिंदगी से हाथ धो बैठता है। किसी भी किस्म का गुटखा पाउच जहर से कम नहीं है। इसको समय पर त्यागकर ही जिंदगी के करीब आया जा सकता है।

कत्थे में भी मिलावट:- पान में उपयोग किये जाने वाले कत्थे में भी अब रसायनों का इस्तेमाल किया जाता है इसको आकर्षक बनाने के लिए जो प्रयोग किये जा रहे हैं, वे लोगों की सेहत के लिए घातक साबित हो रहे हैं। अब कत्था एकदम प्राकृतिक होगा, इस पर विश्वास न करें, उसमें कई किस्म की मिलावट हो रही है। साथ ही कुछ कलर बेहतर हों, इसके लिए ऐसेंस और मिलावटी गाढ़े दूध का इस्तेमाल किया जाता है।

धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों की यात्रा के लिए मिलेगा अनुदान

मप्र के नागरिकों को मिलेगी यह सुविधा

नवभारत न्यूज

पन्ना 16 जून। धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत मध्यप्रदेश के नागरिकों को देश-विदेश के विभिन्न धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थानों की यात्रा के लिए यात्रा पूर्ण करने पर अनुदान उपलब्ध कराए जाने का प्रावधान है।

विभाग द्वारा पाकिस्तान स्थित श्री हिंगलाज माता मंदिर एवं ननकाना साहिब, श्रीलंका के सीता मंदिर अशोक वाटिका तथा अंकोरवाट मंदिर कंबोडिया सहित कैलाश मानसरोवर यात्रा और लद्दाख स्थित सिंधु दर्शन के लिए यात्रा नियम जारी किए गए हैं।

इस संबंध में पन्ना जिले के सभी तहसीलदार को निर्धारित स्थानों की यात्रा करने वाले यात्रियों की सूची अविलंब उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे समयावधि में शासन को यात्रियों की सूची प्रेषित की जा सके।

अस्पताल, मॉल, होटल, बैंक में फायर सेफ्टी नहीं

नवभारत न्यूज

पन्ना 16 जून। शहर में आग से सुरक्षा के मानकों को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आ आ रही है। जिले के लगभग 70 प्रतिशत सरकारी और निजी अस्पताल, होटल, शोरूम, बैंक तथा शैक्षणिक संस्थान बिना वैध फायर एनओसी के संचालित हो रहे हैं।

मात्र जिला चिकित्सालय में फायर सेफ्टी की सुविधा उपलब्ध होना बतायी गई है। ऐसे में किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। शहर में रोजाना हजारों लोग इन भवनों में आते-जाते हैं, लेकिन आग लगने की स्थिति में कई स्थानों पर पर्याप्त सुरक्षा और बचाव के इंतजाम नहीं है। सबसे अधिक चिंता अस्पतालों को लेकर है, जहां मरीजों, बुजुर्गों और बच्चों की बड़ी संख्या मौजूद रहती है। यदि किसी अस्पताल में आग लगती है, तो मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालना बड़ी चुनौती बन सकता है।

इसके अलावा कई निजी स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थान, होटल भी फायर सुरक्षा मानकों को पूरी तरह पूर्ण नहीं कर पा रहे हैं। नियमों के अनुसार ऐसे संस्थानों में फायर फाइटिंग सिस्टम, आपातकालीन निकास द्वार, अलार्म सिस्टम और नियमित सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य है।

दिल्ली हादसे के बाद बढ़ी चिंता

कुछ दिन पहले दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर दिया था। इस हादसे में 22 लोगों की मौत हो चुकी है। जांच में सामने आया कि होटल में गंभीर सुरक्षा खामियां थीं। फायर सेफ्टी मानकों का पालन नहीं किया गया था और फायर एनओसी को लेकर भी सवाल उठे थे। हादसे के दौरान कई लोग जान बचाने के लिए खिड़कियों से कूदने को मजबूर हो गए थे। दिल्ली की घटना ने यह स्पष्ट कर दिया है कि फायर सुरक्षा नियमों की अनदेखी कितनी घातक साबित हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते ऐसे भवनों की जांच नहीं की गई, तो पन्ना में भी किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। खासकर अस्पतालों, होटलों और भीड़भाड़ वाले व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा व्यवस्थाओं की तत्काल समीक्षा आवश्यक है।

एक माह में 33 अपहृतों को किया गया दस्तयाब

नवभारत न्यूज

पन्ना 16 जून। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में पन्ना पुलिस द्वारा विगत एक माह के दौरान 33 अपहृत नाबालिग बालक/बालिकाओं को देश के विभिन्न राज्यों से सकुशल दस्तयाब करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई है।

पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा अपहरण के मामलों में अपहृत नाबालिग बालक/बालिकाओं की शीघ्र दस्तयाबी सुनिश्चित करने हेतु एक विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वंदना चौहान एवं समस्त एस.डी.ओ.पी. के मार्गदर्शन में सभी थाना प्रभारियों को अधिक से अधिक दस्तयाबी करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ

ही अपहरण संबंधी प्रकरणों में तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने हेतु साइबर सेल पन्ना को भी विशेष रूप से निर्देशित किया गया। महिला एवं बाल अपराधों के प्रति संवेदनशीलता रखते हुए जिले में पंजीबद्ध अपहरण संबंधी प्रकरणों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की गई। थाना प्रभारियों के नेतृत्व में गठित पुलिस टीमों द्वारा घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए तत्काल नाबालिग बालक/बालिकाओं की तलाश प्रारंभ की गई। तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण, संभावित ठिकानों पर दबिश, मुखबिर तंत्र को सक्रिय करने तथा साइबर सेल पन्ना के तकनीकी सहयोग से लगातार प्रयास किए गए। पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशन में चलाए गए विशेष अभियान के अंतर्गत थाना स्तर पर गठित पुलिस टीमों द्वारा महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश एवं हरियाणा सहित विभिन्न राज्यों से पन्ना जिले से अपहृत 33 नाबालिग बालक/बालिकाओं को सकुशल दस्तयाब किया गया। दस्तयाब किए गए नाबालिग बालक/बालिकाओं में थाना अमानगंज क्षेत्र से अपहृत 08, कोतवाली से 06, थाना सिमरिया से 03, गुनौर से 03, धरमपुर से 02, अजयगढ़ से 02, देवेन्द्रनगर से 02, शाहनगर से 02, सलेहा से 02, रैपुरा से 02 तथा पवई से 01 नाबालिग बालक/बालिका शामिल हैं, जिन्हें सकुशल दस्तयाब कर उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है।

पवई में तीन दिवसीय खंड स्तरीय लोक कल्याण शिविर आयोजित

नवभारत न्यूज

पवई 16 जून। मध्यप्रदेश शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से आयोजित तीन दिवसीय खंड स्तरीय लोक कल्याण शिविर के अंतर्गत शनिवार को नवीन ग्रामीण आजीविका भवन पवई में शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में विभिन्न विभागों की योजनाओं से संबंधित आवेदनोंए शिकायतों एवं लंबित प्रकरणों का निराकरण किया गया।शासन केनिर्देशानुसार 12 जून से 14 जून तक आयोजित इस विशेष अभियान के तहत पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्रदान करने के साथ.साथ उनकी समस्याओं के समाधान पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम मे उपस्तिथ श्रीमती मोहिनी आनंद मिश्रा जनपद अध्यक्ष पवई ने शिविर मे अपने सम्बोधन मे कहा कि लोक कल्याण शिविर का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। शिविर के माध्यम से आमजन की समस्याओं का मौके पर समाधान किया जा रहा है तथा पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है।शिविर के दौरान चौमुखनाथ स्व.सहायता समूहए चौमुखा एवं कालका स्व.सहायता समूह को स्वरोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 3.3 लाख रुपए का ऋण स्वीकृत किया गया।इसके अलावा विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदनों की सुनवाई की गई तथा सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी से जुड़े लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया गयाअधिकारियों ने हितग्राहियों को शासन की योजनाओं की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

मेडिकल स्टोर में हो रहा इलाज

नवभारत न्यूज

पन्ना 16 जून। एक तो वैसे भी पूरे जिले में झोला छाप डाक्टरों की भरमार है जो मरीजों का खून चूस रहे हैं अधकचरा ज्ञान वाले से जानलेवा डाक्टर मरीजों का आर्थिक एवं शारीरिक दोनों तरह का शोषण करते हैं।

यानी कि अंदाजिया दवाओं की कई गुना कीमत तो वसूलते ही हैं साथ में अधिकांश मरीज ठीक तो नही होते उनका शरीर अवश्य दवाएं खाकर और कमजोर हो जाता है फिर वे शासकीय चिकित्सालयों की ओर जाते हैं। अब दूसरे यमराज मेडिकल स्टोर संचालक बन गए हैं जो आधा इलाज करने का प्रयास करते हैं इसके एवज में वे दवाओं की कीमत बढ़ा चढाकर भी वसूलते हैं। जिला मुख्यालय समेत समूचे जिले में अधिकांश मेडीकल स्टोर के संचालक मरीजों और उनके परिजनों को लम्बे अर्से से धोखाधड़ी का शिकार बना रहे है। चिकित्सक पर्चे पर जिन कम्पनियों की जो दवाएं लिखते है ज्यादातर मेडीकल स्टोर के संचालक उन्हें बदल देते है। मरीजों को गुणवत्ताविहीन कंपनियो की वे दवाएं थमा दी जाती है जिनकी कीमत तो काफी कम होती है लेकिन दवाओं के उपर विक्रय मूल्य अधिक अंकित होता है। इस धोखाधड़ी की वजह से मरीजों को दवाओं के सेवन के बावजूद त्वरित फायदा नहीं मिल पाता और यही स्थिति कभी कभार तो गम्भीर मरीजों के लिए जानलेवा तक साबित होती है। अनेक मेडीकल स्टोरों पर ऐसे लोग दवाओं की बिक्री कर रहे है जिन्हें दवा बेचने की कानूनन पात्रता ही नहीं है। जिले में कुछ मेडीकल स्टोर तो बगैर लाईसेंस के चल रहे है। मेडीकल स्टोर से बेंची जा रही अंदाजन दवाएं मरीजों को नुकसान अधिक और फायदा कम पहुंचा रही है। कुछ मेडीकल स्टोर के संचालक तो यह कहकर मरीजों को बीमारी के इलाज के लिए दवाएं बेंच देते है कि यदि डॉक्टर के यहां पर जाओगें तो वह भी यही दवाएं लिखेगा फिजूल में तुम्हें डॉक्टर की फीस अदा करना होगी। कई शासकीय चिकित्सक भी मरीजों को अच्छी कंपनियों की दवाएं लिखने के बजाय अपने घरों से गुणवत्ताविहीन दवाएं लिख रहे है जो मरीजों को लाभ के बजाय हानि अधिक पहुंचा रही है।

काम के लिए गांव से शहर शहर भटक रहे हैं मजदूर

नवभारत न्यूज

पन्ना 16 जून। जिले के ग्रामीण अंचल से काम की तलाश में शहर आने वाले श्रमिक काम न मिलने की स्थिति में पलायन करने को मजबूर है। इनका कहना है कि गरीबी रेखा में होने के बावजूद उन्हें जो भी कुछ भी शासन देता है उससे उनके और उनके परिवार का भरण पोषण नहीं हो पाता है।

आलम यह है कि जिले के अधिकांश ग्रामीण अंचल में रहने वाले युवा शहर काम की तलाश में आते हैं और काम न मिलने की स्थिति में वह शहर से पलायन कर महानगरों में मजदूरी के लिए जा रहे हैं। इन श्रमिकों के सामने बडी मजबूरी काम का न मिलना है। मंहगाई की मार और काम की तलाश में ये श्रमिक हर रोज शहर आते हैं जहां घंटों इंतजार करने के बावजूद इन्हें काम नहीं मिलता है। कुछ श्रमिक ऐसे हैं जिन्हें काम न मिलने पर किराये का रिक्शा लेकर अपना काम चलाते हैं।

गांव में नहीं मिलता काम:- केंद्र सरकार ने मजदूरों को गांव में काम दिलाने के लिए महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना प्रारंभ की थी। लेकिन श्रमिकों का कहना है कि गांव में काम नहीं मिलता है। उक्त योजना से पहले काम मिल जाता था, लेकिन अब गांव में काम न मिलने के कारण वे शहर काम की तलाश में पहुंचते है, परिवार बडा होने के कारण जिस हिसाब से खर्च हैं उस हिसाब से प्रत्येक दिन काम की जरूरत है।

एक तिहाई मजदूर होते है बेकाम:- बडा चौराहा, अस्पताल चौराहा, गांधीचौक व किशोर मंदिर सहित अन्य स्थानों पर काम की तलाश में आने वाले मजदूर रूकते हैं।

मजदूर मंडी में नहीं मिलता ठिकाना

काम के लिए मजदूर सड़क के किनारे खड़े होते हैं। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा उनके लिए शेड का निर्माण कराया गया था। जिसमें लोगों ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। ऐसे में जिस दुकान के सामने वे खड़े होते हैं दुकानदार डांटकर भगा देता हैं। हालांकि प्रशासन द्वारा मजदूर मंडी शहर में नहीं बनाई गई हैं यही वजह है कि वे चौराहों पर खड़े होकर काम का इंतजार करते है। ऐसे स्थानों में दलाल और दबंग सक्रिय है वे शासन की योजना बता कर पर्चा आदि देने के साथ ही कई बार डरा धमका कर या तो पैसे ऐंठ लेते हैं या फिर कम मजदूरी काम करवाते हैं।

रथयात्रा महोत्सव की तैयारियों के संबंध में हुई बैठक

नवभारत न्यूज

पन्ना 16 जून। आगामी 16 जुलाई को रथयात्रा कार्यक्रम के पूर्व पन्ना में इस वर्ष भी निर्धारित तिथियों में 29 जून से विभिन्न गतिविधियां प्रारंभ हो जाएंगी।

श्री जगदीश स्वामी रथयात्रा महोत्सव कार्यक्रम 2026 के गरिमामय आयोजन सहित विविध कार्यक्रमों की बेहतर व्यवस्थाओं के संबंध में कलेक्टर ऊषा परमार ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कार्यक्रम से जुड़े विभाग के अधिकारियों तथा मंदिर ट्रस्ट के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस अवसर पर आवश्यक सुझाव प्राप्त कर समुचित प्रबंध के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्रीमती परमार ने रथयात्रा महोत्सव की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर विभागवार दायित्व सौंपे। साथ ही सड़क मरम्मत सहित विद्युत, पेयजल, चिकित्सीय व्यवस्था, साफ-सफाई, सुचारू यातायात व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक प्रबंध के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा धार्मिक उत्सवों के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता का सतत परीक्षण किया जाए। वर्षाकाल के दौरान मंदिर परिसर में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। अस्थायी दुकानों की स्थापना सहित अन्य मूलभूत

व्यवस्थाओं के दौरान आवश्यक एहतियात भी बरती जाए। किसी भी स्थिति में भीड़ के दौरान सुरक्षा व्यवस्था से समझौता न हो। जिला कलेक्टर ने गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी जनसामान्य से पारदर्शी माध्यम से क्यूआर कोड के जरिए दान राशि प्राप्त करने की व्यवस्था को सुचारू रखने के निर्देश दिए। बैठक में रथयात्रा महोत्सव के दृष्टिगत अन्य महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं पर भी चर्चा हुई। बैठक में महाराजा छत्रसाल द्वितीय सहित अपर कलेक्टर मधुवंतराव धुर्वे, एसडीएम संजय कुमार नागवंशी, तहसीलदार, सीएमओ, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग जे.पी. सोनकर भी उपस्थित रहे।

रथ यात्रा महोत्सव का निर्धारित कार्यक्रम - श्री जगदीश स्वामी रथयात्रा महोत्सव अंतर्गत 29 जून को सुबह 9 बजे स्नान यात्रा के साथ निर्धारित कार्यक्रम की शुरूआत होगी। इसके उपरांत 14 जुलाई को शाम 7:30 बजे पथ प्रसाद वितरण, 15 जुलाई को रात्रि 8 बजे धूप कपूर की झांकी होगी तथा 16 जुलाई को शाम 6:30 बजे बड़ा दिवाला से लखूरन तक रथ यात्रा निकलेगी। यहां विश्राम पश्चात 17 जुलाई को शाम 6 बजे लखूरन से चौपरा तक रथ यात्रा निकाली जाएगी। 18 जुलाई को शाम 6:30 बजे टीका पश्चात रथ यात्रा चौपरा से जनकपुर मंदिर पहुंचेगी। मंदिर में 7:30 बजे से टीका पूजन, आरती स्वागत और धार्मिक कार्यक्रम के उपरांत 19 जुलाई को सुबह 9 बजे जनकपुर मंदिर में यात्रा का प्रवेश होगा। 20 जुलाई को दोपहर में जनकपुर मंदिर में कथा पूजन एवं भण्डारा कार्यक्रम निर्धारित है। 21 जुलाई को लक्ष्मी जी की सवारी शाम 5 बजे जगदीश स्वामी मंदिर पन्ना से जनकपुर रवाना होगी। इसके पश्चात वापस पन्ना पहुंचेगी। 22 जुलाई को शाम 6 बजे रथ यात्रा वापसी जनकपुर से चौपरा तक का कार्यक्रम निर्धारित है। चौपरा में विश्राम पश्चात 23 जुलाई को शाम 6 बजे रथ यात्रा चौपरा से लखूरन पहुंचेगी।